

TEN RU

भारत

भारत INDIA

५५पैसे

५५पैसे 55 PAISE

43

C.F. 151

पं. ११० 366

रिव्यू 366-IV/99

न्यायालय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वाल्थर

रिव्यू. क्रं. 199

1. गज्जर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह  
नि. ग्राम मुहकेडा टप्पा सुभाणपुरी
2. जगदीण वर्मा पुत्र श्री नारायण  
निवामी हाल - कोर्ट रोड,  
शिवपुरी म.प्र.

- आ

ति.

IV  
26.2.99  
26.2.99

1. रतिराम पुत्र रनआ दि...
2. राममेवक ,, दोजीराम
3. महिला जामुनि पत्नी राम
4. माहूराम पुत्र फुंदीराम
5. रामवरन ,, दोजीराम
6. रामसिंह ,, जीवनलाल
7. हरीराम ,, मंगलिया
8. हरीरामजन ,, मकिमराम
9. कन्हैयालाल ,, बहराम
10. भगवान सिंह ,, दोजीराम
11. लालकराम ,, चरणदास
12. संतोष ,, जतूलाल
13. राकेण ,, मंगाराम
14. देवीराम ,, धनीराम
15. सेवकराम ,, मन्नूराम
16. वृजमोहन ,, मुच्छीराम
17. रतनलाल ,, मोतीलाल
18. राजेन्द्र ,, कमलराम
19. बूचराम ,, हलुका

26.2.99  
K. K. Dwivedi  
Advocate

M

EN

city

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

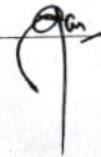
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 336-चार/99

जिला -शिवपुरी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषक आदि के हस्ताक्षर
20.7.16	<p>आवेदक की ओर से श्री आर० डी० शर्मा उपस्थित।  आवेदक के अधिवक्ता द्वारा प्रकरण में तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा रिव्यु प्रकरण के प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया।</p> <p>2-यह रिव्यु आवेदन-पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 836-दो/98 में पारित आदेश दिनांक 28.12.98 के विरुद्ध प्रस्तुत पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक 336-चार/99 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने गये।</p> <p>3- आवेदक के अधिवक्ता की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 836-दो/98 में वर्णित हैं। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 28.12.98 से किया जा चुका है।</p> <p>4-रिव्यु प्र०क्र० 366-चार/99 म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है:-</p>	

M




//2//रिव्यु 336-चार/1999

अ-नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती ।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।

आवेदक ने रिव्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिव्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यु प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभयपक्ष सूचित हों । प्रकरण दा० द० हो । राजस्व मण्डल का प्रकरण अभिलेखागार में संचय हेतु भेजा जावे।

  
(के० सी० जैन)  
सदस्य

M